13.14 hrs.

Title: Regarding drought and flood situation in the states of Bihar and Assam.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : अध्यक्ष महोदय, बिहार में बाढ़ की आज जो ज्वलंत विभीाका है, उस विभीाका से उत्पन्न स्थिति पर मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृट करना चाहता हूं। पिछले सदन में पूरा देश क्रास बार्डर टैरोरिज़्म से लड़ने के लिए संकल्पित हुआ। आज उत्तर बिहार सीमा पार के नेपाल के वॉयलैंट फ्लड वाटर से त्रस्त है, पूरे उत्तर बिहार के 17 जिले त्राहिमाम हैं। मधुबनी, झंझारपुर जिला पूरी तरह बर्बाद हो चुका है। रेल लाइन ठप्प है। सम्पर्क सड़क एन.एच. 104, 105 या 57 सारी टूट चुकी है।

सारा सड़क सम्पर्क भी बाधित हो चुका है। â€¦ (व्यवधान) आप क्यों डिस्टर्ब करते हैं? चाहे मधुबनी जिला हो, चाहे शिवहर, सीतामढ़ी, सहरसा हो, चाहे सुपौल, अररिया, पूर्णिया, गोपालगंज, दरभंगा हो, चाहे किशनगंज, समस्तीपुर, खगड़िया और सिवान हो, सभी 17 जिले आज त्राहिमाम की स्थिति में हैं। सम्पूर्ण बिहार में अभी तक जो सूचना प्राप्त है, मैं छः दिनों से बाढ़पीड़ित लोगों के बीच में घूमकर आ रहा हूं, मैंने जो नजारा देखा है, यदि मैं बताने लगूंगा तो पत्थर भी आंसू बहाने लगेंगे। इसीलिए मैं कहना चाहता हूं कि जो हालात हैं, उसमें अभी 100 लोग डूबकर मरने की सूचना है । यहां जो मंत्री महोदय हैं, वे अररिया जिले के हैं, लेकिन उनका संसदीय क्षेत्र किशनगंज है। अररिया जिले के माननीय सदस्य सुखदेव पासवान जी यहां बैठे हैं। वहां 12 बच्चे कल पानी में डूबकर मर गये। यह बहुत दर्दनाक घटना है। वहां लोग परेशानी में हैं। आज भी बाढ़ की स्थिति गम्भीर बनी हुई है। वहां जो भी राहत का काम हुआ है, वह अपर्याप्त है, क्योंकि हैलीकॉप्टर से एक ट्रिप में मात्र 20 क्विंटल से ज्यादा अनाज वितरित नहीं किया जा सकता। सम्पूर्ण दिन में सारे ट्रिप मिलाकर 5-7 सौ बाढ़ पीड़ितों के बीच ही राहत सामग्री जा पाती है। स्थिति यह है कि आकाश मार्ग और जल मार्ग भी अवरुद्ध हैं, बाढ़ में इतना तूफान है।

नेपाल से जो नदियां आती हैं, चाहे कोसी हो, बागमती हो, कमला बलान हो, भुतही बलान हो, चाहे अधबारा समूह हो, चाहे गंडक हो, ये जो नदियां आती हैं, इन नदियों के पानी ने इस साल 1987 की बाढ़ का रिकार्ड भी तोड़ दिया है। नेपाल से जो पानी आ रहा है, वह छः लाख क्यूसेक्स पानी इस बार जल अधिग्रहण क्षेत्र से छोड़ा गया है। इतना पानी कभी नेपाल से नहीं छोड़ा गया था। इसीलिए आज उत्तरी बिहार की बाढ़ का तबाही का जो आलम है, उसका मेन कारण यही है। वहां लाखों लोग गृहविहीन हो गये हैं, लोग तटबन्धों पर और ऊंची जगहों पर चढ़े हुए हैं, गाछ पर, वृक्ष पर चढ़े हुएहैं, वहां खाद्यान्न का कोई इन्तजाम नहीं है, पीने के पानी का संकट है। अभी जहां पानी घटा है, वहां महामारी फैल रही है, इतनी दर्दनाक स्थिति है। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि त्राहिमाम की स्थिति है। ऐसी परिस्थिति में मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि कम से कम सरकार तत्काल इस स्थिति की गम्भीरता को देखते हुए जो बाढ़पीड़ितों में हाहाकार है। अभी सुखाड़ पर 50 हजार रुपये तक के ऋण माफ किये गये, लेकिन जो बाढ़पीड़ित, फ्लड इलैक्टिड लोग हैं, बाढ़पीड़ित किसान हैं, गरीब हैं, सीमान्त किसान हैं, छोटे किसान हैं, खेतीहर मजदूर हैं, जिन्होंने खेती से सम्बन्धित ऋण लिया है, उस सभी ऋण को माफ कियाजाना चाहिए और युद्ध स्तर पर राहत कार्य चलाना चाहिए, चाहे आर्मी कॉलम का बोट ले जाकर, पानी में ऊंचे स्थान पर जो लोग हैं, वहां खाद्यान्न पहुंचाने का काम और पीने के पानी का जो संकट है। इसके अलावा दवा का कोई इन्तजाम नहीं है, खुले आकाश के नीचे 25 लाख लोग तो सिर्फ मधुबनी जिले में प्रभावित हैं। पूरे बिहार में चार करोड़ लोग बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हैं, खुले आकाश के नीचे हैं। उनके पास पोलीथीन भी नहीं है, इसीलिए मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि विशेा आर्थिक पैकेज केन्द्र सरकार अभी मुहैया करे और केन्द्र सरकार आर्मी बोट देकर गरीब लोगों को, बाढ़पीड़ित लोगों को कम से कम खाने और अन्ाज की व्यवस्था करे।

हम यह निवेदन इसलिए करना चाहता हैं, क्योंकि आज इतने महत्वपूर्ण विाय पर चर्चा हो रही है। मैं समझता हूं कि आपके माध्यम से सरकार को निर्देश होना चाहिए कि गृह मंत्री जी आकर सदन में इसकी महत्ता को और बाढ़ की गम्भीरता को समझकर एक बयान दें और ऋण माफी करने से लेकर कम से कम तत्काल जो लोग मर चुके हैं, उनके परिवार को अभी तक किसी ने नहीं देखा है कि वे किस तरह से पानी में डूब गये हैं। उनकी स्थिति बिल्कुल नारकीय लग रही है और जनजीवन ठप्प हो गया है।

लोगों की जान माल का खतरा अभी भी बना हुआ है। अभी डेढ़ महीना और बाढ़ की विभीाका वहां तांडव करती रहेगी। इस दौरान बिहार में ट्रांसपोर्ट की भी हड़ताल हो गई है। इसके कारण सारी रोड्स अवरूद्ध हो गई हैं। प्याज महंगा हो चुका है और आलू बाजार से समाप्त हो चुका है, क्योंकि बाजार चारों तरफ से पानी में घिरे हैं। नेपाल से जो आने वाली नदियां हैं, भारत सरकार कोई ऐसी व्यवस्था करे, जिससे समस्या का स्थाई समाधान हो। जिस तरह से हम 20 साल से आतंकवाद से जूझ रहे हैं, उसी तरह से हर बरस बिहार के लोग पानी से जूझते हैं। इसलिए नदियों पर हाई लैवल मल्टी पर्पज डैम बनाए जाने चाहिए। इसके लिए गृह विभाग, कृाि मंत्रालय, विदेश विभाग और अन्य सम्बन्धित विभागों का आपस में समन्वय हो और फिर एक समन्वित कार्य योजना बनाकर स्थाई योजना बनाकर समस्या का स्थाई समाधान ढूंढा जाए, नहीं तो इसी तरह से हर साल लाखों लोग मरते रहेंगे।

अध्यक्ष महोदय, बाढ़ से प्रभावित जो चार करोड़ लोग हैं, जो कि आज भुखमरी के कगार पर हैं, हम उनको भूखे नहीं मरने देंगे। यदि केन्द्र सरकार और राज्य सरकार तुरंत युद्ध स्तर पर कोई व्यवस्था नहीं करती, तो हम उन लोगों को सरकारी गोदामों को लूटने का आह्वान करेंगे। इसके लिए चाहे हमें जेल भी जाना पड़े, तो हम तैयार हैं। लेकिन हम गरीब लोगों को, बाढ़ पीड़ितों को मरने नहीं देंगे। जहां-जहां भी सरकारी गोदाम हैं, एफ.सी.आई. के हों या स्टेट फूड कार्पोरेशन के हों, ऐसे गोदामों का ताला ज्यादा दिन तक बंद नहीं रहेगा, क्योंकि बाढ़ पीड़ित लोग अब और ज्यादा दिन तक बर्दाश्त नहीं कर सकते।

इसलिए हम सरकार को तीन दिन की मोहलत देते हैं कि तीन दिन के बाद सोमवार को या मंगलवार को सदन में आकर गृह मंत्री जी स्थिति स्पट करें। यदि नहीं की तो हम लोग सीधे कार्यवाही करने पर मजबूर होंगे। हम लोगों के घर डूब चुके हैं। लोग पानी में डूब रहे हैं। उनके लिए खाने की व्यवस्था नहीं है, दवा की व्यवस्था नहीं है, पीने के पानी की व्यवस्था नहीं है और यहां तक कि एक जगह से दूसरी जगह जाने के लिए नाव की व्यवस्था नहीं है। मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से नि वेदन करना चाहता हूं कि इस अप्रत्याशित बाढ़ की विभीाका को देखते हुए बाढ़ पीड़ितों को तत्काल युद्ध स्तर पर राहत मुहैया कराई जाए।

श्रीमती रेनु कुमारी (खगड़िया) : अध्यक्ष महोदय, बिहार पर पहला कहर तब हुआ जब झारखंड अलग हुआ। बिहार में उद्योग नहीं बचे। बिहार में दूसरा कहर प्रकृति का है कि 1987 के बाद इतनी भयंकर बाढ़ आई है। जैसा अभी हमारे साथी देवेन्द्र प्रसाद जी ने कहा कि किस तरह वहां के 17 जिले, सीतामढ़ी, दरभंगा, खगड़िया, सीवन, गोपालगंज, औरइया कहां तक नाम गिनाऊं, सब बाढ़ से ग्रस्त हैं। कितने घर बर्बाद हो गए, कितने जान माल की क्षति हुई, सम्पत्ति का कितना नुकसान हुआ, इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। लाखों लोग बेघर हो गए हैं। और ज्यादा दुख तब होता है जब स्त्रियों को पानी में ही पाखाने के लिए जाना पड़ता है। बाढ़ के बारे में हमेशा चर्चा होती है। करोड़ों रुपया खर्च भी किया जाता है, पुनर्वास की नीतियां भी बनाई जाती हैं, लेकिन ये नीतियां कारगर नहीं हो पातीं। हर साल नेताओं, नौकरशाहों और ठेकेदारों की मिलीभगत से अरबों-खरबों रुपयों की लूट होती है और स्थाई समाधान नहीं हो पाता। मैं आपके माध्यम से कहना चाहती हूं कि आप बिहार सरकार और केन्द्र सरकार दोनों को चेतावनी दें और बिहार के प्रशासन को भी चेतावनी दें कि वहां तत्काल दवाओं का, खाने का और नावों का इंतजाम कराया जाए। इसमें किसी प्रकार की आनाकानी न की जाए। लोगों को आवश्यक चीजें मुहैया नहीं कराई जाएंगी तो उसका परिणाम भुगतना पड़ेगा। बिहार को प्रकृति ने कहर दिया है और दूसरा कहर वहां की सरकार ने ट्रांसपोर्टेशन पर टैक्स लगा दिया, जिसकी वजह से ट्रांसपोर्टर्स ने हड़ताल कर दी है। इस वजह से वहां के लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है और स्थिति ज्यादा विकट हो गई है।

मैंने प्रधान मंत्री जी को भी पत्र लिखा है। हर साल बिहार में बाढ़ से तबाही होती है और उसका कारण नेपाल की ये नदियां हैं। इसलिए मैं आपके माध्यम से विनती करती हूं कि आप माननीय प्रधान मंत्री जी को यह निदेश दें कि वह एक केन्द्रीय कमेटी का गठन करें और नेपाल सरकार से वार्ता करें। हर साल बिहार के करोड़ों

लोगों का जो जान, माल का नुकसान होता है, हर साल वहां के लोग जो करोड़ों लोगों की जानें, अपने भाई, भतीजे, बेटा, बेटी का नुकसान सहते हैं, वे अब यह नुकसान बर्दाश्त करने की स्थिति में नहीं हैं। अगर हमें राहत मुहैया नहीं कराई गई, नेपाल सरकार से वार्ता नहीं की गई तो हम आपके माध्यम से यह कहना चाहते हैं कि हम सरकार की ईंट से ईंट बजा देंगे। आपसे निवेदन है कि आप हमारा यह संदेश सरकार तक पहुंचा दें ताकि बिहार में राहत की शीघ्र व्यवस्था कराई जा सके। मैं कहना चाहती हूं कि हमारे बिहार के दूसरे जिले हैं, औरंगाबाद, गया, जहानाबाद हैं, वहां के लोग सुखाड़ से पीड़ित हैं। मैं आपसे निवेदन करना चाहती हूं कि उन जिलों को सूखाग्रस्त और बाढ़ग्रस्त घोाति किया जाए और वहां के लोगों को राहत मुहैया कराई जाए। वहां के किसानों को राहत पहुंचाई जाए और बाढ़ग्रस्त और सूखाग्रस्त लोगों के ऋण की माफी की घोाणा सरकार द्वारा शीघ्र की जाए।â€¦ (व्यवधान)

प्रो. एस.पी.सिंह बघेल (जलेसर) : अध्यक्ष महोदय, 15 जुलाई से लेकर आज तक प्रत्येक कार्य दिवस में मेरा नोटिस है।â€¦ (व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष जी, रेनु कुमारी के बाद मेरा नाम है।â€¦ (व्यवधान)

SHRI K. FRANCIS GEORGE (IDUKKI): Sir, for the last five days I have been giving notice to raise my issue during 'Zero Hour'. But I have not yet been given a chance to speak....(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : मेरे पास जो लिस्ट है, उसमें राम प्रसाद सिंह का नाम है।

श्री राम प्रसाद सिंह (आरा) : अध्यक्ष जी, मैंने नोटिस दिया है।

अध्यक्ष महोदय : आप बोलिए।

श्री राम प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदय, बिहार की आज जो स्थिति है, वह सचमुच में बहुत भयावह और दुखदायी है। बाढ़ और सुखाड़ दोनों बिहार के लिए स्थायी समस्या है। हर साल हम इस समस्या पर चर्चा करते हैं लेकिन उसका स्थायी समाधान नहीं हो पाता है। एक तो नेपाल की निकली नदियां उत्तर बिहार को बाढ़ से प्रभावित करती हैं। दूसरे, बाढ़ का मध्य बिहार आज जिसको हम दक्षिण बिहार कहें, जिसमें 14 जिले तैमूर, बक्सर, भोजपुर, रोहतास, औरंगाबाद, गया, नवादा, जहानाबाद, छपरा, भागलपुर, वैशाली और नालंदा इत्यादि हैं। कुल 16 जिले सूखा से प्रभावित हैं।â€¦ (व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष जी, मेरी एक प्रार्थना सुन लीजिए। बाढ़ और सुखाड़ दोनों का सवाल है। हमने कल भी नोटिस दिया था।â€¦ (व्यवधान)

13.29 hrs. [Shri P.H. Pandian in the Chair]

श्री राम प्रसाद सिंह : सुमन जी, आप बैठिए। मैं अध्यक्ष की अनुमति से बोल रहा हूं। सुमन जी, आप हमारे टाइम में हस्तक्षेप क्यों करते हैं? â€¦ (व्यवधान) आप लोग ऐसा मत करिए। हम लोगों को बोलने दें।â€¦ (व्यवधान) जो बीस जिले सूखे से प्रभावित हैं। एक तरफ बाढ़ से किसानों के घर उजड़ गये हैं। भयंकर बाढ़ से हजारों लोगों की जान, माल की क्षति हुई है और खासकर कृाि मंत्री जी ने बाढ़ और सुखाड़ पर चर्चा के लिए एक मीटिंग बुलाई थी। उसमें बिहार को निमंत्रण ही नहीं दिया था। यह बिहार के साथ कैसा सौतेला व्यवहार किया जा रहा है? एक तो बिहार के साथ वाों से सौतेलेपन का व्यवहार किया जा रहा है।â€¦ (व्यवधान)

इतनी सम्पत्ति है, फिर भी बिहार को कहा जाता है कि बिहार भूखों मर रहा है। इसकी वजह यह नहीं है कि इसमें बिहार सरकार का दोा है, बल्कि बराबर केन्द्रीय सरकार राज्य की अवहेलना करती है। जब-जब पैकेज की मांग की जाती है, तब-तब केन्द्रीय सरकार कहती है कि â€¦ (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Now, Shri Nawal Kishore Rai.

...(*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह : महोदय, लिस्ट में पहले हमारा नाम है। â€¦ (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: I go by the list that I have here.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Please sit down.

...(*Interruptions*)

श्री राम प्रसाद सिंह : महोदय, केन्द्रीय सरकार कोई राशि नहीं देती है। वहां पर खेतिहर मजदूर मर रहे हैं। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि बिहार सरकार को पैसा दिया जाए और किसानों के लिए राशि दी जाए। â€¦ (व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : महोदय, पहले हमारा नाम है। â€¦ (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: I go by the list that I have here. Now, Shri Nawal Kishore Rai.

...(*Interruptions*)

श्री राम प्रसाद सिंह : बिहार के साथ सौतेला व्यवहार किया जाता है। हम इस मामले में चुप बैठने वाले नहीं हैं। â€¦ (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Shri Ram Prasad Singh, please resume your seat.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record, except what Shri Nawal Kishore Rai says.

*(Interruptions)**

MR. CHAIRMAN: What is this? I have called Shri Nawal Kishore Rai to speak. Let him speak now.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: If you are not cooperating, I will adjourn the House.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: If you want a chance to speak, please remain calm. Otherwise, I will adjourn the House for lunch.

...(*Interruptions*)

श्री नवल किशोर राय (सीतामढ़ी) : महोदय, जब बिहार की बात आती है, तो कोई सुनने के लिए तैयार नहीं होता है। बिहार के 17 जिलों में त्राहिमाम की स्थिति है। यह विनाशलीला 20 वर्षों के बाद, 1987 के बाद से पहली बार उत्तर बिहार में सतना जिले के 17 जिलों में स्थिति बहुत खराब है। वहां लगभग 4 करोड़ लोगों ने बांध पर शरण ली हुई है । पिछले सप्ताह बाढ़ और सुखाड़ पर सदन में चर्चा हुई थी और केन्द्रीय

सरकार की ओर से कहा गया कि राज्य सरकार को हैलीकाप्टर दिया है। महोदय, मैं सीतामढ़ी से आता हूं। सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर और गोपलगंज आदि जगहों पर हैलीकाप्टर ने जरूर चक्कर लगाया है, लेकिन भोजन नहीं मिला। बाढ़ पूर्व की तैयारी राज्य सरकार ने नहीं की है. हर वर्ा बाढ़ से पहले बाढ़ से बचाव के लिए तैयारी पंचायत स्तर पर, प्रखण्ड स्तर पर, जिला स्तर पर गेहूं व अन्य चीजों की व्यवस्था की जाती है, लेकिन इस बार एक छटांक भी बिहार के किसी जिले में नहीं दिया गया है। हजारों लोग मर रहे हैं। सरकार की रिपोर्ट के अनुसार 120 लोग मर चुके हैं। हमारे सीतामढ़ी जिले में 14 लोग डूब कर मर गए हैं। मैंने 27 तारीख को अपने क्षेत्र का भ्रमण करने का काम किया और जिस गांव में मैं जा रहा था, वहां सरकार द्वारा कोई व्यवस्था नहीं थी।

*Not Recorded.

MR. CHAIRMAN : Please conclude.

श्री नवल किशोर राय : महोदय, मैं समाप्त कर रहा हूं, जिस प्रकार से सतना जिले में तबाही हुई है, उसको देखते हुए, केन्द्रीय सरकार को कदम उठाने चाहिए। â€¦ (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record. Shri Nawal Kishore Rai, your mike is off and nothing is going on record.

*(Interruptions)**

MR. CHAIRMAN: There is no use of your speaking now. Nothing is going on record. Your time is over and I have called Shri Prabhunath Singh to speak.

*(Interruptions)**

MR. CHAIRMAN (SHRI P.H. PANDIYAN): I have called the other hon. Member. Your mike is switched off. Nothing is going on record.

*(Interruptions)**

MR. CHAIRMAN: This is 'Zero Hour'. You must follow the regulation. You have exceeded your time. I have given you enough time.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Shri Nawal Kishore Rai's mike may be switched off.

(*Interruptions*)

*Not Recorded.

MR. CHAIRMAN: This is Parliament, the highest body of the country. Please resume your seat.

*(Interruptions)**

MR. CHAIRMAN: If you will not sit now, I will expunge all your speech. Do not defy the Chair.

*(Interruptions)**

MR. CHAIRMAN: Shri Nawal Kishore Rai's speech, made during 'Zero Hour', may be expunged. Since you have not followed the Chair's direction, I have expunged your speech.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: This is very bad.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: When I asked you to resume your seat, you did not listen to me.

...(*Interruptions*)

श्री दिनेश चन्द्र यादव (सहरसा) : यह क्या बात हुई कि आप छोटी पार्टी के सांसदों के भाण को एक्सपंज कर देंगे। ऐसे कैसे चलेगा?â€¦(व्यवधान) लोग बाढ़ से तबाह हो रहे हैं, डूब रहे हैंâ€¦(व्यवधान)

कुछ लोग तो घंटों बोलते हैं और कुछ को अपनी बात भी नहीं कहने दी जाए, ऐसा कैसे चलेगा?

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : सभापति जी, मेरी रिक्वैस्ट है कि प्रोसिडिंग में इनके भाण को कान्टिन्यू किया जाए ...(व्यवधान)...**

श्री सुरेश रामराव जाधव (परभनी) : यह सही कह रहे हैं, इनकी बात सुनी जाए।â€¦(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: What for all of you are rushing towards the Well of the House? You can speak from your seats.

...(*Interruptions*)

*Not Recorded.

**Expunged as ordered by the Chair.

MR. CHAIRMAN: I have been asking you to resume your seat. You have not followed the direction of the Chair. I

will have to take action against you. I cannot go on begging you to sit down. The Chair cannot go on begging you.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: One must follow the direction of the Chair. You are not following the direction of the Chair. The Chair then has to take only this sort of action.

*(Interruptions)**

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : सभापति जी, जो आपने एक्सपंज किया है उसे रेस्टोर किया जाए।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : रेस्टोर तो है ही।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : रेस्टोर नहीं है, एक्सपंज कर दी गयी है। आपने ठीक से सुना नहीं है।â€¦ (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: One must follow the direction of the Chair. You are not following the direction of the Chair. The Chair then has to take only this sort of action.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: You are obstructing the House. You are disturbing the House. I will then have to name you. I will take action against you.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: You are obstructing the House.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: I will see and restore whatever is possible.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Now, I will not restore your speech. You must follow the direction of the Chair. Unless you apologise, I will not restore your speech.

...(*Interruptions*)

*Not Recorded.

श्री नवल किशोर राय : यह कुछ लोगों की डिबेटिंग संस्था नहीं है। â€¦ (व्यवधान) किस चीज की माफी मांगू?

श्री सुरेश रामराव जाधव : इनको अपनी बात पूरी करने दी जाए। â€¦ (व्यवधान)

श्री नवल किशोर राय : बाढ़ के सवाल पर क्या हमारे साथ अन्याय करियेगा ?

MR. CHAIRMAN: I will have to name you. I will have to take action against you.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Shri Nawal Kishore Rai, I have to name you. If you speak again, I will go according to the rules.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN : Is there anybody to control him or I have to control him? I think there is nobody to control him.

...(*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह : सभापति महोदय, बहुत ही महत्वपूर्ण सवाल पर चर्चा चल रही है और मुझे लगता है कि सदन में इस गंभीर चर्चा को दबाने का प्रयास किया गया है। कोई न कोई मामला उठा और जब श्री दासमुंशी ने यह चर्चा शुरु की थी, आप देखते हैं कि न तो कांग्रेस के माननीय सदस्य दिखाई दे रहे हैं और सरकार की तरफ से भी कुछ स्थिति ऐसी दिखाई दे रही है। जहां बिहार सूखे और बाढ़ की स्थिति को झेल रहा है, वहां इस सदन ने इस बहस को गंभीरता से नहीं लिया है। मैंने श्री दासमुंशी से आग्रह किया था कि वे इस सवाल पर हमारे साथ हों लेकिन इसके बावजूद वे सदन से उठकर चले गये। इस प्रकार इस सवाल की अनदेखी की गई।

सभापति महोदय, हालांकि श्री डी.पी. यादव ने कई सवाल उठाये हैं लेकिन मैं बहुत कम समय में अपनी बात आपके सामने रखना चाहता हूं। बिहार के 34 जिलों में से 17 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं और 17 जिलों में सूखा है। बिहार के इलाको में बाढ़ की विभीाका का वर्णन नहीं किया जा सकता। हालांकि रक्षा मंत्री श्री जॉर्ज फर्नान्डीस हैलीकाप्टर द्वारा क्षेत्र का दौरा करने के लिये गये हैं। उन्हें गोपालगंज में अधिकारियों और सेना से विचार-विमर्श करना है। वे स्थिति की समीक्षा करेंगे। लेकिन मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि केवल जायजा या़ समीक्षा लेने से पीड़ित लोगों का काम चलने वाला नहीं है। इसके लिये तत्काल राहत की व्यवस्था की जानी चाहिये और राहत कार्य की व्यवस्था कराई भी जा रही है। गेहूं का बना हुआ सामान नहीं है। चूंकि वहां किसी ढंग से बनाने की व्यवस्था नहीं है, इसलिये केन्द्र और राज्य सरकार दोनों मिलकर वहां गेहूं से बनाये हुये सामान सत्तू, चूरा और गुड़ आदि के पैकेट हैलीकाप्टर द्वारा गिराये जाने की व्यवस्था करायें, जहां लोग बचने के लिये दूसरे स्थानों पर टिके हुये हैं।

सभापति महोदय, सारन तटबंध पांच जगह से टूट गया है। मैं राज्य सरकार पर आरोप नहीं लगाना चाहता लेकिन इतना जरूर कहना चाहूंगा कि एक जगह तीन किलोमीटर तक बांध बना ही नहीं जबकि राज्य सरकार की ओर से पैसा गया हुआ है। मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करूंगा कि राज्य सरकार को निर्देश जाना चाहिये कि जिन पदाधिकारियों की वजह से टूटे हुये बांध के लिये दिये गये पैसे के बावजूद बांध नहीं बना, उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाये। देवापुरा बांध टूट गया है, उसके लिये सरकार ने पैसा नहीं दिया। वहां के स्थानीय सांसद श्री रघुनाथ झा और एम.एल.ए. ने निजी कोा में से 35 लाख रुपया दिया है। वह बांध बनाया गया, लेकिन वह टूट चुका है। हमारा निर्वाचन क्षेत्र बाढ़ से प्रभावित है, लोग परेशान हैं। इससे ज्यादा परेशानी मवेशियो को हो रही है क्योंकि उनके लिये चारा नहीं है और वे मर रहे हैं। जिस प्रकार पानी में डूबे हुये बच्चों की गिनती करना संभव नहीं है, उसी तरह मरने वाले मवेशियों के आंकड़े लेना मुश्किल है। इसलिये मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि अभी बिहार में ट्रांसपोर्टर्स की स्ट्राइक चल रही है। इस स्ट्राइक के चलते राहत सामग्री एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंचाना मुश्किल है। राज्य सरकार को निर्देश दिया जाये कि किसी भी तरह से ट्रांसपोर्टर्स की स्ट्राइक को समाप्त किया जाये। वैसे भी ट्रांसपोर्टर्स की स्ट्राइक गैर मुनासिब नहीं है

क्योंकि उनका टैक्स 6400 रुपये से बढ़ाकर 66 हजार रुपये कर दिया गया है। इस प्रकार 11 गुना बढ़ोत्तरी मुनासिब नहीं है। राज्य सरकार को इस फैसले पर पुर्नि वचार करना चाहिये।

सभापति महोदय, माननीय वित्त मंत्री जी जब कल उत्तर दे रहे थे, उस समय उन्होंने कहा था कि सुखाड़ इलाके के लिये 50 हजार रुपये का ऋण कवर करने के लिये रिजर्व बैंक ने कहा है। मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करूंगा कि सुखाड़ और बाढ़ को अलग ढंग से न बांटा जाये।

यदि वहां सूखे से लोग प्रभावित हैं तो बाढ़ से भी वहां लोग त्राहिमाम कर रहे हैं। इसलिए हम चाहेंगे कि जिस तरह से उन्होंने सूखा इलाके के लिए राहत की घोाणा की है, उसी तरह से बाढ़ पीड़ित इलाकों के लिए 50 रुपये 50 हजार रुपये के हिसाब से कवर करने के लिए रिजर्व बैंक को निर्देश दें और केन्द्र सरकार तत्काल वहां सब चीजों की व्यवस्था कराये। हम निवेदन करना चाहते हैं कि अभी संसदीय कार्य राज्य मंत्री जी यहां मौजूद हैं और लगता है कि वह इस गंभीर सवाल पर कुछ बोलना चाहते हैं। इसलिए हम चाहेंगे कि संसदीय कार्य राज्य मंत्री जी इस बात पर रिस्पांस करें और केन्द्र सरकार बिहार के बाढ़ पीड़ितों के लिए अभी क्या करने जा रही है, इस संबंध में वह अपने विचारों से सदन को अवगत करायें।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री संतोा कुमार गंगवार) : सभापति महोदयâ€¦ (व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : सभापति महोदय, मैं सिर्फ दो मिनट बोलना चाहता हूं।â€¦ (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Mr. Minister, let them express their opinion.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Dr. Raghuvansh Prasad Singh, you have given notice on alleged harassment of media persons. This has nothing to do with that.

...(*Interruptions*)

DR. RAGHUVANSH PRASAD SINGH : I have given notice for Adjournment Motion which has been converted into a notice for `Zero Hour'â€¦â€¦ (*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: I have to call one by one. Shri Ramji Lal Suman, I will call you to speak.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: They want the Minister to reply after their submissions.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: I have called Dr. Raghuvansh Prasad Singh to speak.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: I have to call only one by one. When he is speaking, what can I do?

...(*Interruptions*)

SHRI K. FRANCIS GEORGE : Sir, what is happening here? Everyday we are giving notice but not getting a chance to speak. We are also Members of the House. On one issue, let 15 Members speak. We have no objection. But we must also get a chance to speakâ€¦...(*Interruptions*)

श्री रामजीलाल सुमन : सभापति महोदय, हमारा भी नोटिस हैâ€¦ (व्यवधान) महोदय, बिहार के हमारे तमाम मित्रों ने वहां बाढ़ की बात की, सरकारâ€¦ (व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : हमारा नाम पुकारा गया है, आप कैसे बोल रहे हैं।

श्री रामजीलाल सुमन : मैं सिर्फ एक मिनट बोलूंगा।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : सभापति महोदय, सर्वश्री देवेन्द्र प्रसाद यादव, नवल किशोर राय, प्रभुनाथ सिंह तथा बिहार के बहुत से माननीय सांसद यहां बैठे हैं और सभी लोग बिहार की हालत पर चिंतित हैं। सचमुच बिहार की स्थिति बहुत गंभीर ही नहीं भयावह है। वहां बाढ़ और सुखाड़ दोनों से तबाही है। भारत और नेपाल के बीच कोई समझौता नहीं हुआ, जिसके कारण कोई स्थायी निदान नहीं हुआ। इसी वजह से वहां हर साल बाढ़ से तबाही होती है। लेकिन विगत सब सालों के मुकाबले इस साल वहां तबाही सबसे ज्यादा है। सीतामढ़ी, सहरसा और दरभंगा का सम्पर्क भंग हो चुका है। रेल लाइनें टूट चुकी हैं। आवागमन ठप हो गया है जिसके कारण अनाज पहुंचाने में कठिनाई हो रही है। लेकिन असली बात यह है कि भारत सरकार ने पिछले साल भी बिहार को एन.सी.सी.एफ. का एक पैसा नहीं दिया और इस साल भी कुछ नहीं दिया है। लोग बाढ़-सुखाड़ का रोना रोते हैं। लेकिन मैं कहता हूं कि बिहार के सभी माननीय सदस्यों के लिए यह वेदना और क्षोभ की बात है। वहां लोग पीड़ित हैं। 120 लोगों की मौत हो चुकी है, असंख्य पशु मारे गये हैं, वहां सारी फसल बर्बाद हो गई है, गरीबों के घर बह गये हैं। इसके अलावा सुखाड़ से लोग तबाह हो गये हैं। लेकिन दसवें और ग्यारहवें वित्त आयोग ने एक भी पैसा नहीं दिया। हमारी मांग है कि भारत सरकार वहां राज्य सरकार की मदद के लिए पैसा भेजे, जिससे कि वहां राहत हो सके। इसी विाय पर श्रीमती कान्ति सिंह का नोटिस है। â€¦ (व्यवधान) The notice for Adjournment Motion has been converted into 'Zero Hour' notice..â€¦ (*Interruptions*)

श्रीमती कान्ति सिंह (बिक्रमगंज) : सभापति महोदय, इसी विाय पर मेरा भी एडजर्नमैन्ट मोशन का नोटिस है, कृपया मुझे भी बोलने का मौका दें।â€¦ (व्यवधान)

श्री अरुण कुमार (जहानाबाद) : सभापति महोदय, बहुत गंभीर विाय पर चर्चा हो रही है। बिहार के माननीय सदस्यों ने 17 जिलों में बाढ़ की गंभीर स्थिति पर यहां चर्चा की। मैं सदन का ज्यादा समय नहीं लेना चाहता हूं। मैं सिर्फ यह कहना चाहता हूं कि बिहार के 17 जिलों में बाढ़ है तो शेा हिस्से में भयंकर सुखाड़ है।

ऐसी परिस्थिति में भारत सरकार को केन्द्रीय टीम भेजकर मुआयना करना चाहिए और जो त्राहिमाम बाढ़ की स्थिति से उत्पन्न हुआ है उसमें तुरंत एक टीम यहां से भेजकर वहां रैस्क्यू की व्यवस्था करनी चाहिए, सेना को तुरंत वहां लगाना चाहिए और उनको सही स्थान पर पहुँचाने के लिए जो भी माध्यम आवश्यक हो उसे सुनिश्चित करना चाहिए। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूँ।

श्री रामजीलाल सुमन : सभापति जी, हमारा कार्य-स्थगन प्रस्ताव है। â€¦ (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Everybody will get a chance. Time is wasted because of interruptions.

श्री दिनेश चन्द्र यादव : अध्यक्ष महोदय, बिहार में बाढ़ से भीाण तबाही हो रही है और अभी जितने माननीय सदस्य बाढ़ के सवाल पर बोले हैं, मैं उनसे अपने को संबद्ध करता हूँ। इस बाढ़ में जो तबाही हुई उससे मेरे संसदीय क्षेत्र सहरसा और सुपौल जिले भी भीाण तबाही की चपेट में हैं। राहत की कोई व्यवस्था नहीं है और सभी सड़कों का संपर्क मेरे क्षेत्र से टूट गया है। इसी तरह से उत्तर बिहार के अन्य जिलों का संपर्क भी टूट गया है। â€¦ (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: It is not your topic. We are discussing about Bihar.

श्री दिनेश चन्द्र यादव : पहले भी बाढ़ पर इसी सदन में चर्चा हुई थी। गृह मंत्री जी ने आश्वासन दिया था कि हम यहां से एक टीम सर्वेक्षण के लिए भेजेंगे लेकिन आज तक सर्वेक्षण टीम बिहार में नहीं गई, न कोई राहत की विशेा व्यवस्था की गई। भारत सरकार के गोदामों में अनाज सड़ रहा है और लोग भूखों मर रहे हैं। इसलिए हम भारत सरकार से निवेदन करना चाहते हैं कि जो अनाज गोदामों में सड़ रहा है उसे पीड़ित लोगों को मुहैया कराया जाए। वहां नावों की व्यवस्था कराई जाए। महामारी जो वहां फैल रही है, उससे बचने के लिए दवाओं की व्यवस्था कराई जाए। यदि व्यवस्था नहीं होगी तो जितनी तबाही बाढ़ से हुई है उसके भयंकर परिणाम सामने आने वाले हैं। â€¦ (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Shri Ram Nagina Mishra, the hon. Member is speaking. You are interrupting. You are a senior Member. Do not interrupt him.

श्री दिनेश चन्द्र यादव : पहले भी सदस्यों ने इस ओर ध्यान दिलाया था कि सिंचाई के लिए बांधों की व्यवस्था ठीक होनी चाहिए लेकिन सिंचाई मंत्री किसी बांध की देख-रेख नहीं करा सके। इसलिए भारत सरकार एक टीम भेजे और इस समस्या से निपटने के लिए त्वरित कार्रवाई कराए। â€¦ (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: How can you interrupt?

श्री प्रभुनाथ सिंह : मंत्री जी रिस्पॉन्स करने के लिए तैयार है। आप उसके बाद बोलते रहिये। â€¦ (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: All the hon. Members want to speak. Then, there should be a discussion. This is only `Zero Hour'.

...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: I have asked Shrimati Kanti Singh to speak.

श्रीमती कान्ति सिंह : सभापति महोदय, जहां एक ओर उत्तर बिहार बाढ़ की विभीाका से गुज़र रहा है, वहीं पर दक्षिण बिहार और मध्य बिहार के 20 ज़िले ऐसे हैं जो सूखे से ग्रसित हैं। हमारा शाहाबाद एरिया धान का कटोरा कहा जाता था जहां अनेक नहरें बिछी हुई हैं। वर्ा नहीं होने के कारण हमारे यहां जो नदियां और नहरें आती हैं उत्तर प्रदेश या मध्य प्रदेश से पानी आता था, चाहे वह बाणसागर से हो या रिहंद से आता हो, वह हर जगह से सूखी हैं। जिस तरह से पानी आना चाहिए वह उपलब्ध नहीं हो रहा है। ऐसी हालत में वहां के किसान त्राहिमाम कर रहे हैं। साथ ही जो गरीब और मज़दूर लोग हैं जो खेतों में काम करके अपनी रोज़ी रोटी चलाते थे, उनकी रोज़ी रोटी भी समाप्त हो रही है। â€¦ (व्यवधान) मैं बाढ़ और सुखाड़ दोनों की बात कर रही हूँ। इसलिए हमने इस पर आपका ध्यान आकर्ति कराया है कि बिहार की सोन नदी पर कदवन जलाशय के निर्माण हेतु नेशनल हाइड्रो इलेक्ट्रिक कार्पोरेशन की 1111करोड़ रुपये की योजना राज्य सरकार ने केन्द्र सरकार को बेजी है। इस जलाशय के निर्माण के लिए उत्तर प्रदेश सरकार बाधक बनी हुई है। झारखंड और बिहार सरकार सहमत हैं। इस वर्ा भी बाणसागर और रिहंद से जो पानी का हिस्सा मिलता था, वह अभी तक नहीं मिला। राज्य के 8 जिले - रोहतास, भोजपुर, कैमूर, बक्सर, औरंगाबाद, गया, जहानाबाद और पटना के किसानों की मांग के बा वजूद भी सोन नहर में पानी नहीं दिया जा रहा है जिससे इन जिलों में 20 से 30 प्रतिशत ही रोपाई हुई है और वर्ा के अभाव में वहां जो बीज रोपा गया था वह भी समाप्त हो चुका है। इन 8 जिलों के 11052 मील में फैले लगभग 10लाख एकड़ भूमि में सोन नहर प्रणाली द्वारा पानी दिया जाता है।

सभापति महोदय, मुझे कभी बोलने का मौका नहीं मिलता है। आज आपने हमें मौका दिया है। मुझे अपनी बात तो समाप्त करने दीजिए। लगभग 10 लाख एक़ड़ भूमि में सोन नहर प्रणाली द्वारा सिंचाई हेतु पानी दिया जाता है। इस हेतु इन जिलो में 209 मील में मुख्य नहरों का जाल बिछा हुआ है और 149 मील में शाखा नहरों का निर्माण किया गया है और 1235 मील में वितरणियों का निर्माण किया गया है। मेरा केन्द्र सरकार से निवेदन है कि कदवन जलाशय के निर्माण में उत्तर प्रदेश की और से जो बाधा पैदा की जा रही है उसे दूर कराया जाए और कदवन जलाशय के निर्माण की मंजूरी प्रदान की जाए। कदवन जलाशय का निर्माण नहीं होने से सोन नहरों के अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न लग जाएगा और बहुत बड़े भू-भाग में सूखे और अभाव की स्थिति पैदा होने से आततताइयों का बोलबाला हो जाएगा और खून-खराबा बढ़ेगा। अतः मैं भारत सरकार से मांग करती हूं कि किसानों को दिए गए ऋणों को माफ किया जाए और वहां डी.पी.ए.पी. कार्यक्रम चलाया जाए ताकि किसानों को राहत मिल सके।â€¦ (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Hon. Members, please take your seat.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Shri Paswan, please sit down for a minute. Shrimati Kanti Singh has given notice on the need for construction of Kaswan reservoir on the Sone river in Bihar. But she was speaking about every thing else. What can we do?

श्रीमती कान्ति सिंह : सभापति जी, मेरा नोटिस नहरों एवं बाढ़ दोनों के बारे में था।â€¦ (व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : सभापति जी, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से निवेदन करना चाहता हूं कि बिहार के मामले पर मंत्री महोदय, सरकार की ओर से उत्तर अ वश्य दें।â€¦ (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Let the Bihar issue be over. Then, the hon. Minister will reply

. ...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: He is asking me about it. About 50 notices are there.

...(*Interruptions*)

SHRI K. FRANCIS GEORGE : Sir, now the facts are clear. Let the hon. Minister reply to it....(*Interruptions*)MR. CHAIRMAN: When I called Shri Paswan, you are obstructing it. What is this House doing? How can we run the House? The Chair is really irritated. You should allow the hon. Member to speak.

...(*Interruptions*)

श्री सुकदेव पासवान (अररिया) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार का ध्यान बिहार राज्य में बाढ़ और सूखे कि स्थिति की ओर आकर्ति करते हुए कहना चाहता हूं कि बिहार राज्य में 34 जिले हैं जिनमें से 17 बाढ़ से और 17 सूखे से प्रभावित हैं। उत्तरी बिहार में बाढ़ के कारण ग्रामीण सड़कें, पी.डब्ल्यू.डी. की सड़कें, एन.एच., स्कूल, अस्पताल एवं करोड़ों की संख्या में आबादी बेघर हैं। उन्हें खाना नहीं मिल रहा है। सैकड़ों लोग पानी में बहने के कारण मर गए हैं। â€¦(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: No hon. Member is cooperating with the Chair. Every hon. Member is rising to speak.

...(*Interruptions*)

श्री सुकदेव पासवान : महोदय, कल ही 1 अगस्त को मेरे क्षेत्र अररिया में 11 बच्चे बाढ़ के पानी में डूब कर मर गए। उससे पहले रानीगंज प्रखंड में कई आदमी जिन्दा पानी में डूब कर मर गए। अररिया और सुपोल जिलों में 10 प्रखंडों में से नरपत गंज, भरगामा, कुरसाकाटा, छातापुर और त्रिवेणीगंज का भीाण बाढ़ के कारण जिला मुख्यालयों से संपर्क टूट गया है। वहां करोड़ों की संख्या में लोग बाढ़ के कारण त्राहि-त्राहि कर रहे हैं। उनके लिए नावों की कोई व्यवस्था नहीं है। दवा नहीं मिल रही है। लाखों मवेशियों के लिए चारा नहीं है, उनके लिए दवा नहीं है जिसके कारण वे मरणासन्न अवस्था में हैं।â€¦(व्यवधान)

SHRI HANNAN MOLLAH : They should associate with the issue. Why are they making speeches? ...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: I cannot teach them. They should know about it. I cannot tell them the way they should speak.

...(*Interruptions*)

श्री सुकदेव पासवान : महोदय, बाढ़ से प्रभावित होने के कारण उन प्रखंडों में जनता को जो गेहूं दिया जा रहा है वह पर्याप्त नहीं है। हमने प्रखंड अधिकारी से पूछा, तो उन्होंने बताया कि एक प्रखंड में 200 क्विंटल गेहूं वितरित किया जा रहा है। यह अपर्याप्त है। केरोसिन तेल नहीं मिल रहा है। मैं मंत्री जी से मांग करता हूं कि वहां केरोसीन, दवाएं एवं अन्य जीवनोपयोगी आवश्यक वस्तुएं तत्काल मुहैया कराई जाएं। इसके साथ ही साथ महोदय, लोगों को अपनी तन ढकने के लिए प्लास्टिक उपलब्ध कराया जाए।â€¦(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Shri Sukdeo Paswan, it is over. You have completed. Please take your seat.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Shri Ramji Lal Suman, you have already spoken.

श्री सुकदेव पासवान : महोदय, जिन परिवारों के लोग बाढ़ में बह गए या जिनकी मृत्यु हुई है, उनके आश्रितों को एक-एक लाख रुपया मुआवजा दिया जाए। जिन प्रखंडों का मुख्यालय से संपर्क टूट गया है, उसे अविलम्ब जोड़ा जाए। जहां-जहां रेल लाइन डिस्टर्ब हो गई हैं जैसे नरपतगंज से सहरसा जाने वाली रेल लाइन कटिहार से जोगबनी के बीच में क्षतिग्रस्त हो गई है उसकी अविलम्ब मरम्मत कराई जाए और रेल सेवा शुरू कराई जाए।â€¦(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Shri Paswan, I think you have completed it. You have taken so much time.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: The hon. Member Smt. Ranee Narah will only go on record and nothing else will go on record.

*(Interruptions)**

MR. CHAIRMAN: The hon. Minister will reply after the hon. Members complete their submissions.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: What I say is whether it is Assam or Bihar, it is flood.â€¦

(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Shri Paswan, it is over. You have completed it.

...(*Interruptions*)

श्री सुकदेव पासवान : महोदय, आपने मुझे अपनी बात रखने की अनुमति दी, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूं। â€¦ (व्यवधान)

14.00 hrs.

MR. CHAIRMAN: Please take your seat.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Everybody is anxious to get answer from the Minister. Please resume your seat.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: I have called Shrimati Ranee Narah. Please take your seat.

...(*Interruptions*)

श्रीमती रानी नरह (लखीमपुर) : सभापति महोदय, ओवरहाल असम में बाढ की स्थिति बहुत गंभीर बनी हुई है। ब्रह्मपुत्र नदी, सुबनसिरी नदी, बुरालेट नदी अभी भी खतरनाक स्तर पर हैं। वहां 23 जिलों में से 13

बाढ से प्रभावित हैं । â€¦ (व्यवधान) सबसे ज्यादा प्रभावित मेरे संसदीय क्षेत्र के धेमाजी डिस्ट्रिक्ट, लखीमपुर डिस्ट्रिक्ट, ढकुवाखाना सब डिवीजन, माजुली सब डिवीजन बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं। मेरे संसदीय क्षेत्र में सात एमबैकमेंट टूट गये हैं। â€¦ (व्यवधान) जिनमें से धेमाजी जिले में कारेनसपारी एमवैंकमेंट, आरेनसपारी एमवैंकमेंट, लखीमपुर जिले में यकुआखाना सबडिवीजन में टेकीलीफुटा एमवैंकमेंट टूट गया है और लखीमपुर एवं धेमाजी जिले वा में पांच महीने पानी में डूबे रहते हैं । इन दोनों जिलों में किसानों की पूरी फसल तबाह हो गई है । असम में कुल 25590 गांव में से 4993 गांव प्रभावित हुए हैं। â€¦ (व्यवधान) इसी तरह असम में कुल जनसंख्या 2 करोड़ 66 लाख है जिसमें से 45 लाख 63 हजार लोग प्रभावित हुए है। मेरे निर्वाचन क्षेत्र के धेमाजी जिले के जनाई सबडिवीजन लखीमपुर जिले के नौवाइचा क्षेत्र एवं ढकुवाखाना सबडिवीजन, माजुली सबडिवीजन में कुल 10 लाख जनसंख्या प्रभावित हुई है। â€¦ (व्यवधान)

श्रीमती रानी नरह : सभापति महोदय, मैंने अभी अपना भााण समाप्त नहीं किया है। â€¦ (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: All right. You speak now.

...(*Interruptions*)

श्रीमती रानी नरह : सभापति महोदय, धेमाजी जिले में समर्जन रेलवे ब्रिज और नैशनल हाईवे 52 में 400A/1 लकडी पुल पूरी तरह से टूट गया है। और ढकुआखाना माचखोआ रोड पर एक लकडी पुल बाढ में बह गया है इसी तरह 15 पी.डब्ल्यू.डी. रोड पूरी तरह टूट गया है। असम में 31, 37 और 52 नैशनल हाईवे बुरी तरह खराब हो गये हैं। मेरा कहना है कि धेमाजी एवं लखीमपुर जिले एवं माजुली सबडिवीजन को बाढ प्रभावित जिला घोाित करना चाहिए। इसके साथ-साथ किसानों को आर्थिक मदद करने के लिए या प्रभावित परिवारों के पुर्नवास के लिए 2 हजार करोड़ रुपये केन्द्र सरकार असम सरकार को दे, ऐसी मेरी मांग है।

*Not Recorded.

MR. CHAIRMAN: He will answer. Please take your seat.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Due to your shouting I am constrained to restore Shri Nawal Kishore Rai' speech on record.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: You are all dictating the Chair. What can I do? Please resume your seat. The Minister is not going to run away. He is going to be present here and he will answer. Please take your seat.

...(*Interruptions*)

SHRI VILAS MUTTEMWAR (NAGPUR): Mr. Chairman, Sir, in Assam 500 villages are affected due to floods. It is a very serious matter. â€¦ (*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: The lung power should not prevail here. Whoever has got a better lung power, he can raise his voice, but that should not happen here. I would appeal to you to remain calm and allow everybody to speak.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Shri Mohammad Anwarul Haque, you can also associate yourself with others on this matter. It will be recorded.

मोहम्मद अनवारूल हक़ (शिवहर) : सभापति महोदय, मैं भी अपने आप को उनकी बात से जोड़ता हूं। â€¦ (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Please take your seat.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN : You have already spoken.

SHRI RAMJI LAL SUMAN : No, Sir. ...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: I would call you.

...(*Interruptions*)

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : माननीय सभापति जी, बिहार के साथियों ने बाढ़ के सवाल पर जो चिन्ता व्यक्त की, पूरा सदन उनके साथ है।â€¦ (व्यवधान) सबसे ज्यादा चिन्ता का विाय यह है कि सरकार कहती है कि 6,000 करोड़ से ज्यादा का खाद्यान भंडार हमारे पास है, 7 अरब डालर का विदेशी मुद्रा भंडार हमारे पास है, आपदा राहत कोा और आपदा सहायता कोा हमारे पास है। कुल मिला कर सरकार इस सदन में बराबर यह एहसास कराती रही है कि बाढ़ और सूखे से निपटने के लिए सरकार के पास साधनों और डालरों की कोई कमी नहीं है। बिहार में जो बाढ़ आई हुई है, अभी रानी जी ने आसाम के बारे में बताया, सदन इस स्थिति में पूरी तरह बिहार के साथ है, जहां एक ओर बाढ़ और दूसरी तरफ सूखा है।

कल ही हिन्दुस्तान अखबार में छपा था कि आंध्र प्रदेश के नौ किसानों ने जबरन ऋण वसूली के कारण खुदकुशी कर ली। किसान की खरीफ की फसल चौपट हो गई, किसान दाने-दाने को मोहताज है, इसके बावजूद सरकारी वसूली करने का सिलसिला अभी नहीं रुका है। लिहाजा उन लोगों ने मजबूरी में आत्महत्या कर ली।

MR. CHAIRMAN: You have already discussed the drought conditions in detail. You also associate with it.

श्री रामजीलाल सुमन : यह बहुत गंभीर मामला है।â€¦ (व्यवधान) सरकार प्राकृतिक आपदा की ओर ध्यान दे।â€¦ (व्यवधान) सरकार क्या कर रही है, उसका परिणाम जनता में दिखाई देना चाहिए।â€¦ (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Those two Members are pressing. They have also given the notices.

...(*Interruptions*)

श्री रामजीलाल सुमन : सरकार को इस पर अपनी बात स्पट करनी चाहिए।â€¦ (व्यवधान)

प्रो. एस.पी.सिंह बघेल (जलेसर) : धन्यवाद, मैं आपके माध्यम से शून्यकाल में एक बहुत महत्वपूर्ण विाय उठाना चाहता हूं।â€¦ (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: After hon. Minister's reply, I would give you a chance.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: During Zero Hour, it seems whosoever has got more lung power, he would be able to get a chance.

SHRI K. FRANCIS GEORGE : It is not fair.

MR. CHAIRMAN: I know, it is unfair. All the hon. Members are not able to get a chance.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: When I am here, it would not prevail.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: I would ask the hon. Minister to reply.

...(*Interruptions*)

श्री हन्नान मोल्लाह : आप ऐसा करके जीत नहीं सकते।â€¦ (व्यवधान)

श्री संतोा कुमार गंगवार् : माननीय सभापति महोदय, सदन में उपस्थित सभी सांसदों ने बाढ़ और सूखे के माध्यम से चिन्ता व्यक्त की। बाढ़ की जो स्थिति है, अखबारों के माध्यम से हम समझ सकते हैं और वास्तव में श्री नवल किशोर राय जी ने जो अपना दुख-दर्द व्यक्त किया, उसे एहसास किया जा सकता है। हमने इस स्थिति पर चर्चा भी की थी लेकिन जो कुछ भी कहा गया है, चाहे वित्त मंत्री जी से कहने की बात हो, माननीय गृह मंत्री जी या जल संसाधन मंत्री जी, जिनको भी कहने की आवश्यकता होगी, उनको आपकी भावनाओं से हम अवगत करा देंगे और उनसे कहेंगे कि इस संदर्भ में जो भी कदम उठाए जाने हैं, क्योंकि अभी प्रभुनाथ जी ने कहा था कि रक्षा मंत्री सर्वेक्षण करने गए हैं। हम सबकी भावनाओं से अवगत करा देंगे।â€¦ (व्यवधान)

श्रीमती रेनु कुमारी : आप यही करते रहेंगे और लोग मर जाएंगे।â€¦ (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: What is this?

...(*Interruptions*)

श्रीमती रेनु कुमारी : यह कोई बात नहीं है।â€¦ (व्यवधान) हम लोग किसलिए हैं।â€¦ (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: You cannot talk to the Minister directly.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: What is this? You can talk only through the Chair. This is not the way.

...(*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : सभापति जी, माननीय मंत्री महोदय को आपका निर्देश होना चाहिए। बाढ़ का इतना गम्भीर मामला है, वे सदन में आकर बाढ़ पर बयान दें।â€¦ (व्यवधान)

श्री संतोा कुमार गंगवार : मैं आपकी भावनाओं से उन्हें अवगत कराऊंगा, लेकिन बयान देने के लिए मैं उन्हें नहीं कह सकता।â€¦ (व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : बिहार की उपेक्षा हो रही है, इसलिए हम सदन का बहिकार करते हैं।

14.11 hrs.

(At this stage Dr. Raghuvansh Prasad Singh and

some other hon. Members left the House.)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : हम भी सदन से बहिकार करते हैं।

14.11 ¼ hrs.

(At this stage Shri Devendra prasad yadav and

Some other hon. Members left the House.)